Regarding Rail connectivity from Damoh to Kundalpur and from Kundalpur to Panna

श्री राहुल सिंह लोधी (दमोह) : माननीय सभापति महोदया, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । मैं दमोह संसदीय क्षेत्र की जनता का भी आभार व्यक्त करता हूँ कि उनके आशीर्वाद से मैं यहां पहुंचा हूँ ।

मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र में दो विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल हैं । वहां एक जागेश्वर नाथ धाम है, जहां पर निरंतर श्रद्धालुओं का आवागमन लगा रहता है । मैं इसके विषय में माननीय रेल मंत्री जी से भी मिला हूँ और उनसे विभिन्न ट्रेनों के स्टॉपेज के विषय में चर्चा की है । इसकी आवश्यकता पूर्ण होना बहुत आवश्यक है । इसके साथ ही एक और स्थान है, जो हमारे जैन समाज के तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध है । मैं उसके विषय में भी जानकारी देना चाहता हूँ । इससे पहले वर्ष 2004 और वर्ष 2011 में जबलपुर से दमोह और दमोह से वाया कुंडलपुर पन्ना के लिए रेल मार्ग की स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसका सर्वे भी हुआ था । यदि यह लाइन पड़ती है तो इससे हम लोगों को दो फायदे होंगे । वर्तमान में जब हम दिल्ली की ओर आते हैं तो हमें पहले जबलपुर से कटनी, कटनी से दमोह और दमोह से सागर होते हुए दिल्ली आना पड़ता है, जिसमें लगभग 200 किलोमीटर का सफर तय करते हैं । यदि यह लाइन जबलपुर से दमोह वाया कुंडलपुर बढ़ती है तो 100 किलोमीटर का डिस्टेंस कम होगा । इसके अलावा यदि यह लाइन दमोह से वाया कुंडलपुर पन्ना जाएगी तो अच्छा होगा, क्योंकि वहां पर तीर्थ क्षेत्र है, जहां कुंडलपुर के बड़े बाबा है । इनकी पूरे विश्व में ख्याति है । वहां पर लोगों का आवागमन होता है । यदि यह लाइन डालते हैं तो विश्वास मानिए यह सरकार का और माननीय रेल मंत्री जी का जैन समाज के लिए एक बहुत बड़ा कदम होगा और सच्ची श्रद्धांजलि हमारे बड़े बाबा के चरणों में होगी ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से आग्रह करता हूँ कि यह रेल मार्ग शीघ्रातिशीघ्र बनना चाहिए, जिससे दमोह से कुंडलपुर और कुंडलपुर से पन्ना के लिए लोगों का आवागमन हो सके । आपने मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया, मैं इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ ।

13.00 hrs